हिन्दी दैनिक

RNI-BIHHIN/2012/43368

नवशक्ति

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष : 14, अंक : 12 | पटना, गुरुवार, 27 फरवरी, 2025 | पृष्ठ, : 8 मूल्य : दो रुपये

महाशिवरात्रि पर दिखी आस्था और भक्ति की अद्भुत छटा

- महादेव की बारात में मिट गईं आम व खास की दूरियां
- महाशिवरात्रि महोत्सव में उमड़ा आस्था का जन सैलाब
- 29 स्थानों से मनोहारी झांकियों के साथ आई शोभा यात्राएं
- राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने उतारी झांकियों की आरती

पटना। महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को श्रद्धा-भक्ति और आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। भोले बाबा की बारात में आम और खास की दूरियां मिट गईं। हर हर महादेव की गूंज से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। अवसर था श्री श्री महाशिवरात्रि महोत्सव शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के तत्वावधान में खाजपुरा शिव मंदिर के पास आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव का। देर शाम शहर के 29 स्थानों से निकलीं शोभा यात्राएं बारी-बारी से समारोह स्थल के पास पहुंचीं। सूबे के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, राज्य सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंगल पांडेय, नितिन नवीन, संजय सरावगी, सांसद संजय जायसवाल, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा, समिति के संयोजक सह विधायक डॉ. संजीव चौरसिया व अन्य विशिष्ट अतिथियों ने आरती उतारकर मनोहारी झांकियों का अभिनंदन किया। पूरे आयोजन के दौरान शिवभक्तों का उत्साह देखते बन रहा था।

ललाट पर त्रिपुंड का तिलक और सिर पर कलश : इससे पहले शहर के अलग-अलग स्थानों से गाजे-बाजे के साथ विभिन्न स्वरूपों में झांकियों के साथ शोभा यात्राएं निकलीं। इनमें महिलाओं-युवाओं की अच्छी-खासी भागीदारी रही। ललाट पर त्रिपुंड का तिलक और सिर पर कलश लिए महिलाएं, गले में भगवा पट्टा लगाए युवक महादेव के जयकारे लगा रहे थे। कानपुर, लखनऊ, धनबाद, हजारीबाग से आई झांकियों में शिव-पार्वती विवाह, भूत-पिशाचों की बारात और महाकुंभ में महादेव की प्रतिकृति को दशार्या गया था।

ब्रह्मकुमारी की शोभा यात्रा सबसे पहले पहुंची, सीएम ने उतारी आरतीः सबसे पहले शेखपुरा से प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शोभा यात्रा पहुंची। उस समय मुख्यमंत्री मंच पर ही मौजूद थे। उन्होंने झांकी की आरती उतारी और यात्रा में आए लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। ब्रह्मकुमारी जीवंत झांकी में कैलाश पर्वत पर शिवलिंग का ध्यान करते महादेव दिखे जिनकी जटा से जल का अविरल प्रवाह हो रहा था। बाद में राज्यपाल ने भी झांकियों की आरती उतारी।

शोभा यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं पर की गई पुष्प वर्षा : शोभा यात्रा मार्ग में जगह-जगह स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। शिव बारात में शामिल होने और पुनीत अवसर का साक्षी बनने के लिए लोगों में जबर्दस्त उमंग दिख रहा था। शाम 5 बजे से शोभा यात्राओं के आने का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। शोभा यात्राओं का स्वागत सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक चौरसिया कर रहे थे। अभिनंदन के बाद शोभा यात्रा समितियों को मोमेंटो, मेडल व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद भी बांटे गए। पूरे कार्यक्रम का सोशल मीडिया साइट्स पर सीधा प्रसारण किया गया। आमजन की सुविधा के लिए समारोह स्थल के पास 6 एलईडी स्क्रीनें भी लगाई गईं थीं।

मंत्रोच्चार के साथ गंगा आरती से लोग भावविभोर : समारोह स्थल पर तीन मंच बने थे। 60 फीट लंबे मुख्य मंच पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री, धमार्चार्य व अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। दूसरे मंच पर कलाकारों की टोली मंत्रोच्चार के साथ गंगा आरती कर रही थी। भव्य आरती देख लोग भावविभोर नजर आए। तीसरे मंच पर गणेश वंदना से भजन संध्या की शुरूआत हुई। कलाकारों ने शिव महिमा से जुड़े गीतों की प्रस्तुति की। इस दौरान लोग भी भक्ति रस की गंगा में बहते रहे। तांडव नृत्य ने तो भक्तों का मन ही मोह लिया। जैसे-जैसे शाम ढलती गई, बेली रोड पर श्रद्धालुओं का रेला लग गया। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस-प्रशासन की टीम को खासी मशक्कत करनी पड़ी। वैसे उनकी सहायता के लिए एनसीसी कैडेट्स और स्काउट-गाइड पूरे समय मुस्तैद रहे। शिव के ठिकाने पर जाने को आतुर दिखे महादेव के दीवानेः खाजपुरा शिव मंदिर में सुबह चार बजे से ही भोले बाबा की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। 5 बजे मंदिर का पट खुलने के बाद पुरुष व महिला श्रद्धालुओं ने अलग-अलग कतार में जलार्पण किया। शाम 6 बजे मंदिर के पट बंद कर दिये गए। रात 9 बजे तक साफ-सफाई के बाद श्रृंगार, रुद्राभिषेक और शिव-पार्वती विवाह की तैयारी शुरू हुई जो देर रात तक चलती रही। यहां मंदिर के गर्भ गृह में शिवलिंग स्थापित है।

महोत्सव में ये भी रहे मौजूद : समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, नागेंद्र जी, दिल मणि देवी, उषा विद्यार्थी, जगन्नाथ ठाकुर, अरविंद शर्मा, अभिनंदन समिति के सदस्य प्रभात कुमार सिन्हा, विवेक सिन्हा, जयप्रकाश पुनील, पंकज कुमार, गणेश कुमार, अविनाश, प्रवीण, कुणाल, करण, रंजीत भी उपस्थित रहे। समिति के संयोजक डॉ. संजीव चौरसिया ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत सभी अतिथियों का मोमेंटो देकर स्वागत किया।

राजभवन में आयोजित मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज राजभवन में आयोजित मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुये।राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन स्थित राजेन्द्र मंडप में श्री संजय सरावगी, डॉ० सुनील कुमार, श्री जीवेश कुमार, श्री राजू कुमार सिंह, श्री मोतीलाल प्रसाद, श्री कृष्ण कुमार मंटू और श्री विजय कुमार मंडल को मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनायें दी

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि महाशिवरात्रि पर्व में लोग पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ भगवान शिव की उपासना करते हैं। इस पर्व की अपनी अलग महत्ता एवं विशिष्टता है। यह पर्व हमारी संस्कृति को और मजबूत बनाता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि वे आपसी प्रेम, पारस्परिक सौहार्द्र एवं सामाजिक सद्भाव के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनायें।

उन्होंने आशा व्यक्त की है कि यह पर्व समस्त प्रदेशवासियों के लिए सुख, शान्ति और समृद्धि लेकर आयेगा।

बिहार में नीतीश कैबिनेट का हुआ विस्तार, बीजेपी के 7 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

पटना। बिहार कैबिनेट विस्तार के तहत बुधवार को राजभवन में सात मंत्रियों ने शपथ ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में संजय सरावगी, सुनील कुमार, जिबेश मिश्रा और विजय कुमार मंडल समेत सात नये विधायकों ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट विस्तार में जातिगत समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सात विधायक हैं संजय सरावगी (दरभंगा), सुनील कुमार (बिहारशरीफ), जिबेश कुमार (जाले), राहु कुमार सिंह (साहेबगंज), मोती लाल प्रसाद (रीगा), विजय कुमार मंडल (सिकटी) और कृष्ण कुमार मंटू (अमनौर)।भाजपा ने परंपरागत रूप से प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में पकड़ हासिल करने के लिए राजपूत, भूमिहार, कुर्मी और ओबीसी समुदायों सहित विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व करने पर रणनीतिक रूप से ध्यान केंद्रित किया है। विशेष रूप से, पार्टी ने मिथिलांचल क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जो आगामी चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बीजेपी ने मिथिलांचल से दो सदस्यों को कैबिनेट में शामिल किया है। कृष्ण कुमार मंटू, जो छपरा जिले के अमनौर का प्रतिनिधित्व करते हैं, और विजय मंडल, जो अररिया के सिकटी क्षेत्र से हैं, दोनों से इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भाजपा की स्थिति मजबूत करने की उम्मीद है।रणनीतिक रूप से विभिन्न जातियों और क्षेत्रों के सदस्यों को शामिल करके, नीतीश कुमार का मंत्रिमंडल सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है, जो राज्य चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जाति-आधारित राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, भाजपा का लक्ष्य पारंपरिक रूप से लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वोट बैंक में सेंध लगाना है।

संतों ने समाज में महिलाओं के लिए सम्मान जनक स्थान सुनिश्चित किया है : राष्ट्रपति

छतरपुर (मध्य प्रदेश)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत में संतों ने समाज में महिलाओं के लिए सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित किया है और देश आज महिला विकास से महिला-नीत विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा गांव के बागेश्वर धाम में आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, समकालीन संत आत्मनिर्भर, सामंजस्यपूर्ण और पर्यावरण के अनुकूल भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस सामूहिक विवाह समरोह में 251 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ।उन्होंने कहा, संत समुदाय ने समाज से सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाकर उन्हें दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और समाज में महिलाओं के लिए सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित किया है। मुर्मू ने कहा, आज, जब हमारा देश महिला विकास से महिला-नीत वाले विकास की ओर बढ़ रहा है, तो हमें अपनी बेटियों और बहनों को मजबूत और सक्षम बनाने में योगदान देना चाहिए। उन्होंने लोगों से महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा, हमारे छोटे-छोटे प्रयास बहन बेटियों को सशक्त बनाएंगे।

उन्होंने महिलाओं को उनकी शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। मुर्मू ने कहा कि भारतीय परंपरा में संतों ने सदियों से अपने कर्म और वाणी से जनमानस को राह दिखाई है और उन्होंने समाज में फैले अंधविश्वासों के बारे में लोगों को जागरूक किया है, छुआ-छूत और ऊंच-नीच के भेद-भाव को दूर करने की सीख दी है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक, संत रविदास, संत कबीर दास, मीरा बाई या संत तुकाराम सभी ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से लोगों को सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया है।

अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर मे लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महादेव की पूजा-अर्चना करते हुए।

दलित समागम में समाज के 18 वंचित अनुसूचित जातियों का मिला समर्थन, लाखों की संख्या में जुटेंगे समर्थक

पटना। गांधी मैदान में शुक्रवार 28फरवरी को आयोजित हो रहे दलित समागम में शामिल होने के लिए 18 वंचित अनुसूचित जातियों ने समर्थन का एलान किया है, साथ ही समागम में लाखों समर्थकों की जुटने की संभावना है, आज इसका ऐलान डा संजय वाल्मीकि वंचित अनुसूचित जाति मोर्चा के संयोजक, रवीन्द्र रजवार ,राम प्यारे नट, वीरेन्द्र तूरी, धर्मेंद्र कुमार दबगर,कंबल करोड़ी, अरुण नटराज,कृष्णा रजवार, शिवाजी चौपाल,अखिलेश राउत, शंकर मांझी,शशिकांत नट, संजय बसाक,मनोज महार,संजय गांधी,नंदलाल मांझी ने 12 स्ट्रैंड रोड में आयोजित प्रेस वार्ता में की। वंचित अनुसूचित जाति

मोर्चा में मेहतर, डोम, नट, रजवार,तूरी, बौरी,भोक्ता,मुसहर, भूईंयां,चौपाल,दबगर,भूमिजा,कंजर,ततवा,कोरियार,हलालखोर, बातड़,सांसी,लालबेगी,धांगड़ जैसी जातियां शामिल हैं।

संजय वाल्मीकि ने बताया कि हम पार्टी का दलित समागम करने निर्णय एक ऐतिहासिक निर्णय हैं. समूचे वंचित समाज में इस रैली को लेकर उत्साह हैं.वंचित दलित समाज हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के साथ मजबूती से खड़ा हैं. समाज को जीतन राम माँझी और सन्तोष सुमन से बहुत उम्मीद हैं. रैली के माध्यम से हम सब के राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद मिलेगी.गाँव गाँव से हमारे लोग गांधी मैदान पहुँचकर रैली को सफल बनाएगे.

वंचित अनुसूचित जाति मोर्चा ने इस मौके पर अपनी मांगों के समर्थन में यह निर्णय लिया है। इनकी प्रमुख मांगों में अनुसूचित जाति में वर्गीकरण, आयोग का गठन, आरक्षण में पदोन्नति, राजनीति में भागीदारी, भूमिहीनों को 5 डिसमिल जमीन, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग हुडको के सौजन्य से, सफाई कर्मचारी आयोग पुनर्बहाली, की मांग की गई। हमारी माँगों को हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा ने अपना समर्थन दिया हैं.

अश्लील एवं भावना भड़काने वाले गानों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे सरकार : रालोमों

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने सरकार से मांग की है कि अश्लील और भावना भड़काने वाले गानों के गीतकार, संगीतकार, रिकॉर्ड बनाने वाली कम्पनी और सोशल मीडिया में अपलोड करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कानूनी कार्रवाई करें। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव व प्रवक्ता ई. हेमन्त कुमार ने डीजे व लाउडस्पीकर पर अश्लील गाना बजाने पर रोक लगाने की भी मांग की। ई. हेमंत ने कहा कि भोजपुरी के गायकों ने अश्लील व द्विअर्थी, जाति और धार्मिक आधारित गाना गाने की होड़ सी मची हुई है। अश्लीलता और द्विअर्थी शब्दों का प्रयोग पिछले कुछ सालों में बढ़ा है, बीते कुछ समय से जाति व धर्म सूचक शब्दों पर खूब गाने बनाए जा रहे हैं. इससे आये दिन टकराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। गांव-बाजारों और सड़क पर दौड़ रहे वाहनों पर इस तरह के गाने धड़ल्ले से बजाये जा रहे हैं। इससे महिलाओं और बच्चे-बच्चियों असहज महसूस करती हैं, समाजिक एवं धार्मिक माहौल खराब हो रहा है और समाज में वैमनस्यता फैल रही है। ई. हेमंत ने सरकार से आग्रह किया है कि सार्वजनिक जगहों पर इस तरह का गाना बजाने वाले लोगों पर भी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जो इस तरह के गानों को बनाते है, गाते हैं, रिकॉर्ड करते हैं और फिर सोशल मीडिया पर अपलोड करते है। उन्होंने आमजनों से भी ऐसे अश्लील और विवाद उत्पन्न करने वाले गानों को बजाने व किसी भी सोशल मीडिया पर अपलोड करने से बचने का अनुरोध किया है।

बहुप्रतीक्षित बरनाल जलाशय परियोजना की स्वीकृति से हर्ष

पटना। विज्ञान प्रधौगीकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद ज्ञापन देहु कहा कि हम सबने मिलकर वर्षों से जो एक सपना देखा था, आज वह पूर्ण हो गया है । मुख्यमंत्री जी ने हमारी मांग मान ली है । आज कैबिनेट की बैठक में बहुप्रतीक्षित बरनार जलाश भीय परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है । जिसका कुल प्रस्तावित बजट 2579.3785 करोड़ रुपये है ।

इस ऐतिहासिक क्षण के महत्व को, अनंत आनंद के इस पल को शब्दों में बयां करना मुश्किल है । निश्चय ही यह आप सभी के कठिन संघर्षों की जीत है, हमारे पूर्वजों के ख्वाबों की जीत है, लेकिन यह मेरे व्यक्तिगत प्रण के पूर्ण होने का आनंद भी है ।

70 के दशक से ही मेरे पूज्य दादा श्रीकृष्ण सिंह जी इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रयत्नशील रहे, लेकिन कांग्रेस सरकारों की उदासीनता ने प्रयास को सफल नहीं होने दिया । बाद के वर्षों में मेरे पूज्य पिताजी स्व. नरेंद्र सिंह जी भी काफी प्रयासरत रहे, लेकिन पर्यावरणीय बाधाओं की वजह से सफलता नहीं मिल सकी । लेकिन आज हमारे निरंतर प्रयास एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद से यह सुखद दिन संभव हो पाया है ।

आज मैं उन सभी महान आत्माओं को नमन करते हुए, जिनके संघर्षों से हमें यह दिन नसीब हुआ है, आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ । साथ ही अपने अभिभावक माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी सहित पूरी ठऊअ सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ ।

उन्होंने कहा कि परियोजना के पूर्ण होने से सोनो, झाझा, खैरा एवं गिद्धौर प्रखण्ड की लगभग 22226 हेक्टेयर भूमि को सिंचित होगी, जिससे क्षेत्र में एक नई कृषि क्रांति का आगाज होगा।

साथ ही इससे क्षेत्र के भूजल स्तर में भी सुधार आएगा, जिससे पेयजल की समस्या से निजात में मिलेगी। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं की मांग पर जमुई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को भी स्वीकृत कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने बिहार में आयोजित होने वाले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के 'लोगो' एवं 'शुभंकर' का किया अनावरण

पटना, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री ने बिहार में आयोजित होने वाले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के 'लोगो' एवं 'शुभंकर' का किया अनावरण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित कार्यक्रम में बिहार में आयोजित होने वाले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के लोगो एवं शुभंकर का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने 'शुभंकर' एवं 'लोगो' का अनावरण आधुनिक श्री डी होलोग्राम प्रोजेक्टर के माध्यम से किया, जो बिहार में पहली बार हुआ है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का 'लोगो' बिहार की संस्कृति, खेल भावना और भविष्य की ऊर्जा को एक साथ समेटे हुए है। इस खेल का 'शुभंकर' बिहार

की ताकत और गौरव का प्रतीक है।बिहार पहली बार सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने जा रहा है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 20 से 25 मार्च 2025 तक पाटलिपुत्र खेल परिसर, पटना में आयोजित किया जाएगा जिसमें 25 से अधिक देशों के खिलाडी अपनी ताकत, कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। ज्ञातव्य है कि सेपक टाकरा खेल मलेशिया का राष्ट्रीय खेल है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेल में बिहार के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। 38वां राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया गया था जिसमें बिहार ने विभिन्न खेल विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक तथा 5 कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए जो राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बिहार के खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में स्वर्ण पदक और तीरंदाजी, वुशू, तलवारबाजी, लॉन बॉल्स, योगा एवं रग्बी में रजत पदक तथा वुशू, लॉन बॉल्स, तलवारबाजी एवं मॉर्डन पेंटाथलॉन में कांस्य पदक जीता।कार्यक्रम के दौरान सेपक टाकरा गेम्स एवं खेलो इंडिया यूथ पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० बी० राजेन्दर ने हरित पौधा तथा इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया ने प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० बी० राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक डॉ० रविंद्रन शंकरण, खेल विभाग के निदेशक महेंद्र कुमार, इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया, इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के उपाध्यक्ष विपिन कामदार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आज के मंत्रीमंडल विस्तार से यह स्पष्ट हो गया कि नीतीश कुमार जी पूर्णरूपेण भाजपा के गिरफ्त में आ गए हैं

पटना। आज के मंत्रीमंडल विस्तार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा कि आज के मंत्रीमंडल विस्तार से यह साबित हो गया है कि नीतीश जी अब पूर्ण रुप से भाजपा के गिरफ्त में आ चुके हैं। हालांकि जब विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो गई है इस स्थिति में मात्र चंद महीनों के लिए मंत्रीमंडल विस्तार का कोई औचित्य नहीं है जबकि भाजपा के साथ नीतीश जी की सरकार बने एक साल से ज्यादा समय बीत चुका है। जदयू की हिस्सेदारी को लेकर भाजपा के साथ तालमेल नहीं बैठने के कारण हीं नीतीश जी जब तक स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति में थे, मंत्रीमंडल का विस्तार टालते रहे। मंत्रीमंडल में शामिल राजू सिंह जैसे चेहरे भी बता रहा है कि नीतीश जी भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। पिछले दिनों नीतीश जी अपनी सभाओं में महिला और अल्पसंख्यक की खुब चर्चा किया करते थे पर आज के इस विस्तार में न एक महिला को मंत्री बनाया गया और न एक अल्पसंख्यक को हीं मंत्री बनाया गया। छत्तीस सदस्यीय मंत्रीमंडल में अल्पसंख्यक कोटे से मात्र एक मंत्री हैं। इसी प्रकार जदयू के आधार वोट में सेंधमारी करने के लिए नीतीश कुमार जी के एक स्वजातीय को भी भाजपा ने पहली बार इस विस्तार में जगह दिया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि इस विस्तार का उद्देश्य बिहार का विकास नहीं बल्कि बिहार विधानसभा का चुनाव है। बिहार की जनता भी इस बात को समझ रही है कि केवल चुनावी लाभ के लिए कुछ जातियों की नाराजगी दूर करने के लिए चुनाव के पहले यह चुनावी झुनझुना थमा दिया गया है।

जल्द विकसित बिहार बनेगा: डॉ प्रेम कुमार

पटना, (संवाददाता)। बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने बिहार मंत्रिमंडल विस्तार पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बिहार सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा के 7 विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने में सोशल इंजीनियरिंग का पूरा ध्यान रखा गया है। मंत्री के रूप में संजय सरावगी जी,जीवेश मिश्रा जी, सुनील सिंह जी, विजय कुमार मंडल जी, मोतीलाल प्रसाद जी, कृष्ण कुमार मंटू जी एवं राजू सिंह जी अपने विधायकी जीवन में सर्वश्रेष्ठ काम किए हैं और आगे मंत्री के रूप में भी इनका कार्य श्रेष्ठ होगा। सभी मंत्री जिनको जो विभागों की जिम्मेवारी मिले हैं,का निर्वहन बेहतर करेंगे। विभाग का सेवा, बिहार की सेवा और बिहार की जनता की सेवा इनके द्वारा सर्वोत्तम की जाएगी। मंत्री के रूप में इन सातों मंत्री जी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। इनके कार्य से बिहार के विकास में चार चांद लगेगा।जल्द विकसित बिहार बनेगा।

बिहार कैबिनेट फेरबदल के बीच प्रशांत किशोर का भाजपा पर तंज

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बीजेपी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अगर बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को किसी गांव में खड़ा कर दिया जाए, तो उन्हें 10 लोग भी नहीं पहचान पाएंगे। यह वही बीजेपी है, जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करती है, लेकिन बिहार में उसकी स्थिति दयनीय है। उन्होंने कहा कि बिहार में बीजेपी के पास खुद का कोई मजबूत चेहरा नहीं है। नीतीश कुमार के साथ सरकार बनाकर बीजेपी खुद को डुबो रही है। आज बीजेपी के पास बिहार में कोई स्पष्ट नेतृत्व नहीं है, और इसीलिए उन्होंने 43 विधायकों के साथ नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखा है। प्रशांत किशोर ने इसे बीजेपी की बड़ी रणनीतिक गलती बताया और दावा किया कि इसका खामियाजा पार्टी को अगले चुनावों में भुगतना पड़ेगा।

मंत्री संतोष कुमार सुमन ने किया पचौली एस्थेटिक्स एंड वेलनेस का उद्घाटन, आधुनिक स्वास्थ्य और सौंदर्य सेवाओं का नया अध्याय

पटना। भारत की अग्रणी होलिस्टिक हेल्थ, वेलनेस और एस्थेटिक्स कंपनी पचौली एस्थेटिक्स एंड वेलनेस ने पटना में अपने नए और अत्याधुनिक केंद्र का शुभारंभ किया, जिसका उद्घाटन आईटी, आपदा प्रबंधन और लघु सिंचाई मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन के द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने इस संस्थान के शुभारंभ के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आपको बता दें कि पचौली ने भारत में अपनी मजबूत पहचान बनाई है और देश भर में 8 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 31 क्लीनिक संचालित कर रही है। इनमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य प्रदेश और पंजाब शामिल हैं। 2010 में

स्थापित होने के बाद से पचौली ने आधुनिक मेडिकल एस्थेटिक्स और प्राचीन आयुर्वेद विज्ञान को मिलाकर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार व्यापक स्वास्थ्य समाधान प्रदान किए हैं। पटना केंद्र की साझेदारी प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता सिंह के साथ की गई है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में अपने विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं। यह नया केंद्र उन्नत सेवाएं प्रदान करेगा, जिसमें त्वचा और बाल पुनर्जीवन उपचार, वजन प्रबंधन और बॉडी कंटूरिंग एस्थेटिक गायनोकोलॉजी - होलिस्टिक हीलिंग के साथ पहली बार एकीकरण और आयुर्वेद-आधारित वेलनेस थेरेपी खास है। डॉ. विनीता सिंह ने कहा, एक स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में, मेरा मिशन हमेशा से महिलाओं के स्वास्थ्य को समग्र रूप से बेहतर बनाना रहा है। पचौली के साथ साझेदारी करके मैं इस दृष्टि को पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं से आगे ले जा रही हूं और एस्थेटिक और वेलनेस समाधान प्रदान कर रही हूं, जो व्यक्तियों को आत्मविश्वास से भर देते हैं। पचौली की संस्थापक और मेंटर डॉ. प्रीति सेठ ने पटना में विस्तार के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, पचौली ने हमेशा कटिंग-एज एस्थेटिक समाधानों को होलिस्टिक हीलिंग के साथ एकीकृत करके वेलनेस को क्रांतिकारी बनाने में विश्वास किया है। पटना में हमारी उपस्थिति के साथ, हम बिहार के लोगों को विश्व स्तरीय त्वचा, बाल और वेलनेस सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य रखते हैं।

तारा हॉस्पिटल, पटना में मेटरनिटी विंग का भव्य उद्घाटन

पटना। तारा हॉस्पिटल, पटना ने आज अपने अत्याधुनिक मेटरनिटी विंग का भव्य उद्घाटन किया। इस नई सुविधा का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को उच्च गुणवत्ता वाली मातृ एवं शिशु देखभाल प्रदान करना है। इस मेटरनिटी विंग का उद्घाटन डॉ. प्रियंका शाही कंसल्टेंट ऑब्सटेट्रिक्स और गायनेकोलॉजी) ने किया। इस अवसर पर चिकित्सा जगत के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, शहर के गणमान्य नागरिक और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। तारा हॉस्पिटल का यह नया मेटरनिटी विंग आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ डॉक्टरों और समर्पित स्टाफ के साथ सुसज्जित है, जो सुरक्षित प्रसव और नवजात देखभाल सुनिश्चित करेगा। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि यह सुविधा विशेष रूप से उन माताओं के लिए वरदान साबित

होगी जो विश्वसनीय और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की तलाश में हैं। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका शाही ने कहा, हमारा लक्ष्य माताओं और नवजात शिशुओं को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है। यह नया मेटरनिटी विंग उन्नत तकनीक और विशेषज्ञ टीम के साथ मातृत्व अनुभव को सुरक्षित और सहज बनाएगा। तारा हॉस्पिटल का यह कदम पटना में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और इससे क्षेत्र की महिलाओं को अत्याधुनिक मातृत्व सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

स्वामी सहजानंद सरस्वती का जयंती समारोह

◆किसान आंदोलन के साथ धार्मिक और सामाजिक न्याय के लिए भी प्रासंगिक हैं सहजानन्द: डॉ भीम सिंह

◆कई क्षेत्रों में भारत रत्न के दावेदार हैं सहजानंद: रवींद्र रंजन

पटना। पटना के बीआई सभागार स्वामी सहजानंद किसान वाहिनी की ओर से रवींद्र रंजन की अध्यक्षता में आयोजित महान किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती के जयंती के अवसर पर समारोह के उदघाटन भाषण में डॉ भीम सिंह ने कहा कि वामी सहजानंद ने पहली बार किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित करने का कार्य किया था.

डॉ भीम सिंह ने ने बताया कि सहजानंद के कार्यों का ही नतीजा था कि किसान भारतीय राजनीति की मुख्य धारा

से जुड़ पाए. सहजानंद के आह्वान पर स्वतंत्रता आंदोलन में किसानों ने भाग लिया, जिससे स्वतंत्रता आंदोलन की धारा व्यापक हुई. उनके कार्यों कि वजह से ही देश भर से जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुवा और देश भर कि किसान अपने खेतों के मालिक बहाल हो पाए. उन्होंने यह भी कहा कि सहजानंद को न सिर्फ उनके किसान आंदोलन के लिए याद किया जायेगा बल्कि उनके धार्मिक सुधार और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान कालजई तौर पर प्रासंगिक बना रहेगा.

स्वामी सहजानंद को याद करते हुवे मंत्री डॉ हरि साहनी ने कहा कि वे सर्वसमाज के नायक थे. उन्हें किसी जाति या वर्ग विशेष में नहीं समेटा जा सकता. सहजानंद जितने किसानों के थे उतने ही पछड़ों और उतने ही दलितों के भी नायक थे.

वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्वामी सहजानन्द किसान वाहिनी के अध्यक्ष रवीन्द्र रंजन के बिहटा एयरपोर्ट के नाम स्वामी सहजानन्द सरस्वती के नाम रखने और इन्हीं के नाम पटना विश्वविद्यालय का नामकरण करने की मांग की. रवींद्र रंजन ने कहा कि आधुनिक इतिहास में इस प्रदेश के लिये स्वामी सहजानन्द से अधिक कोई महत्वपूर्ण व प्रभावशाली हस्ती नही है. रवीन्द्र रंजन ने आधुनिक भारत के तीन श्रेष्ठ सन्यासियों में गिनते हुए कहा कि सहजानन्द ने दयानन्द व विवेकानन्द सरीखा धर्म व शास्त्र में योगदान किया. जबकि सहजानन्द का शिखर उनका किसान आंदोलन है.

अपने विचार प्रकट करते हुए श्री रंजन ने उल्लेख किया कि आधुनिक भारत के उन रत्नों में से एक हैं जिन्हे एक नहीं बल्कि कई क्षेत्रों में भारत रत्न दिया जा सकता है. सहजानंद को किसान आंदोलन, समाज, साहित्य, धर्म, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अद्वितीय योगदान के लिए भारत रत्न दिया जा सकता है. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सहजानंद का कद भारत रत्न से कहीं उपर है. सहजानंद को भारत रत्न प्रदान करने से भारत रत्न का सम्मान बढ़ेगा. इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सह प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि सहजानंद ने सहजानंद के नाम पर शोध सम्मान खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि सहजानन्द सच्चे राष्ट्रवादी, हिन्दुवादी और किसानवादी थे.

इस अवसर पर आजाद गांधी, नित्या नंद शर्मा, समाजसेवी पूजा ऋतुराज, वरिष्ठ पत्रकार मदनमोहन ठाकुर, काजल शर्मा, युवाओं पर संगठन चलाने वाले प्रेम सिंह, सिंधु बाला, विश्वमोहन सिंह, विश्वनाथ मिश्रा, प्रो. फूलो पासवान, जीत कुमार, प्रशांत कुमार, ज्ञानेश्वर राय, श्री राम शर्मा, डॉ सोनू सिंह आदि ने भी स्वामी सहजानंद सरस्वती पर अपने विचार को रखा. उक्त अवसर विभिन्न क्षेत्रों के विशेष लोगों को स्वामी सहजानंद सम्मान से सम्मानित किया गया.

मोदी सरकार में देश की अर्थव्यवस्था चौपटः डी राजा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व सांसद काॅ॰ डी॰ राजा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है। रुपये का लगातार अवमूल्यन हो रहा है। केंद्र सरकार आरएसएस के एजेंडों को लागू कर रही है। साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी लोकतंत्र व संविधान की रक्षा हेतु तथा समाजवाद और सामाजिक न्याय के लिए शहीदे आजम भगत सिंह की शहादत दिवस 23 मार्च से लेकर संविधान निमार्ता डॉक्टर भीम राव अम्वेडकर की जयंती 14 अप्रैल तक राष्ट्रव्यापी राजनीतिक अभियान चलाएगी।

भाकपा महासचिव बुधवार को जनशक्ति में राज्य कार्यकारिणी की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संसद में पेश किये गए बजट पूरी तरह जन विरोधी और पूंजीपतियों की हितैषी है। भारत की अर्थव्यवस्था अमीरों के पक्ष में नीतियों के परिणामस्वरूप गहरे संकट का सामना कर रही है, जो बहुसंख्यक आबादी की कीमत पर कारपोरेट के हितों को प्राथमिकता देती है। शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद निजी निवेश की गति नहीं पकड़ पा रही है। मुद्रास्फीति के दबाबों के कारण जीवन-यापन की लागत बढ़ गई है, जिससे आम नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। इस बीच, बेरोजगारी की दर चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है, रोजगार सृजन बढ़ती श्रम शक्ति के साथ तालमेल नहीं रख पा रहा है। असमानता बढ़ी है, जो

गहरी प्रणालीगत समस्याओं को दशार्ती है। दुनियाँ की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बारे में सरकार के महत्वाकांक्षी दावे जमीनी हकीकत से अलग प्रतीत होते हैं, क्योंकि भारत प्रति व्यक्ति आय के मामले में वैश्विक स्तर पर 140वें स्थान पर है। हाल के आर्थिक संकेत, जैसे कि रुपये में गिरावट और जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट, इन चुनौतियों को रेखांकित करते हैं। केंद्र सरकार कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के नाम पर तीन काले कृषि कानूनों जिन्हें किसानों के विरोध के कारण निरस्त कर दिया गया था की सामग्री को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। सरकार कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) की मांग को न मानने वाले कृषक समुदाय के खिलाफ सख्त बनी हुई है।

केंद्र सरकार अपनी मजदूर विरोधी नीतियों पर अडिग है।

भाकपा महासचिव ने कहा कि सरकार ने संसद में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें एक राष्ट्र, एक चुनाव के बैनर तले लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की वकालत की गई है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने इस पहल का कड़ा विरोध किया है, इसे असंवैधानिक और संघीय-विरोधी बताया है।

इसका तर्क है कि यह कदम राज्य सरकारों की स्वायत्तता और शक्तियों को कमजोर करता है। संविधान में निहित संघीय ढांचे के लिए सीधा खतरा है और राज्यों की अपनी विशिष्ट चुनावी और शासन संबंधी जरूरतों पर प्रतिक्रिया देने की क्षमता को सीमित करके लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने का जोखिम है।

हमारी पार्टी ने ह्यएक राष्ट्र, एक चुनावह्ल का विरोध करते हुए विधि आयोग और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति को अपने विचार प्रस्तुत किए थे।

युवा पत्रकार राकेश कुमार स्वामी सहजानंद सम्मान से सम्मानित

पटना। आज पटना स्थित बी.आई.ए. सभागार में स्वामी सहजानंद किसान वाहिनी की ओर से रवींद्र रंजन की अध्यक्षता में महान किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती जी की जन्मजयन्ती के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया, जिसका उदघाटन बिहार सरकार के मंत्री हरि साहनी ने किया. मौके पर राज्य सभा सांसद डॉ भीम सिंह के अलावा आजाद गांधी, समाजसेवी पूजा ऋतुराज, वरिष्ठ पत्रकार मदनमोहन ठाकुर, काजल शर्मा, युवाओं पर संगठन चलाने वाले प्रेम सिंह, सिंधु बाला, विश्वमोहन सिंह, विश्वनाथ मिश्रा, प्रो. फूलो पासवान, जीत कुमार, प्रशांत कुमार, ज्ञानेश्वर राय, श्री राम शर्मा, डॉ सोनू सिंह आदि भी उपस्थित थे तथा स्वामी सहजानंद सरस्वती जी के जीवन पर प्रमुखता से अपने विचार रखे.

उक्त अवसर विभिन्न क्षेत्रों के विशेष लोगों को स्वामी सहजानंद सम्मान से सम्मानित किया गया. पटना में हिंदी राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र पंजाब केसरी के संवाददाता राकेश कुमार को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मंच पर राज्य सभा सांसद डॉ भीम सिंह द्वारा स्वामी सहजानंद सम्मान से सम्मानित किया गया.

नीतीश कुमार बिहार के आधुनिक भागीरथ जैसेः नवल शर्मा

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि सीएम नीतीश बिहार के आधुनिक भागीरथ जैसे हैं जिन्होंने अपनी शासकीय साधना से बिहार की धरती पर सुशासन और विकास की गंगा को उतारा। इसीलिए नीतीश कुमार के नाम के साथ दो चीजें हमेशा के लिए जुड़ गई हैं - सुशासन बाबू और विकासपुरुष। कांग्रेस और लालू राज के भ्रष्टाचार, अपहरण, रंगबाजी, जातीय संहार और आर्थिक गतिहीनता से क्षत विक्षत बिहार में ठोस शासनतंत्र की स्थापना, चारों ओर विकास की बयार, बिहारी अस्मिता का जागरण और नागरिकों के स्वतंत्र अधिकार की बहाली, ये ऐसे भागीरथ कार्य हैं जिनके लिए सीएम नीतीश को सदैव याद किया जाएगा। नीतीश कुमार सही मायने में आधुनिक बिहार के निमार्ता हैं।

अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता में सजा कला का मंच

पटना। बिहार सचिवालय स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में और केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा बोर्ड, भारत सरकार के मार्गदर्शन में 'अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं लघु नाट्य प्रतियोगिता 2024-25' का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। इसी कड़ी में बुधवार को उर्जा स्टेडियम राजवंशी नगर पटना में अलग-अलग राज्यों से आए सिविल सेवा के अधिकारियों ने मंच पर अपने कला का प्रदर्शन किया और दर्शकों-जजों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में संगीत, नृत्य और नाट्य विधाओं के माध्यम से सामाजिक मुद्दों, देशभक्ति और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य कला और संस्कृति के प्रति रुचि बढ़ाना और सिविल सेवा के इन अधिकारियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना है। आने वाले दिनों में कई रोचक और प्रेरणादायक प्रस्तुतियां देखने के लिए मिलेगी। यह कार्यक्रम तीन मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। बुधवार की प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ सेक्रेटेरिएट, हरियाण सेक्रेटेरिएट, कर्नाटक सेक्रेटेरिएट, आरएसबी चंडीगढ, आरएसबी हैदराबाद, आरएसबी मुंबई ने भाग लिया। समाज के दोहरे रवैये को उजागर करता है संक्रमण कार्यक्रम में हरियाणा की तरफ नाटक बलात्कार का मंचन किया गया। यह नाटक महिलाओं के प्रति समाज के दोहरे रवैये को उजागर करता है। जहां एक पिता समान व्यक्ति ही लड़की की अस्मिता पर हमला करता है। वहीं, परिस्थितियों से जूझती हुई नायिका अंततः न्याय प्राप्त करती है।

आरएसबी मुंबई ने उनीवांची गोष्ठा नाटक की प्रस्तुति दी। इस नाटक में एक अंधे युवक और गूंगी लड़की की शादी के बाद उत्पन्न हुई परिस्थियों को प्रस्तुत किया गया। इस मंचन का संदेश यह रहा कि यदि हम एक-दूसरे की कमियों को स्वीकार कर साथ दें, तो जीवन सुखमय हो सकता है। आरएसईबी, चंडीगढ़ की तरफ से संक्रमण की प्रस्तुति दी गई। पारिवारिक रिश्तों पर आधारित यह नाटक बाप-बेटे की पीढ़ीगत खाई को दशार्ता है, जहां आधुनिकता और परंपराओं के टकराव के बीच समझौते की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है।

अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रतियोगिता 2024-25 के कार्यक्रम में बिहार सचिवालय टीम द्वारा सिकंदर-पोरस की एतिहासिक कहानी पर नाट्य मंचन किया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तारीफ बटोरी। बिहार के अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित पोरस और सिकंदर नाटक भारत की अजेय शक्ति और स्वाभिमान को दशार्ता है, यह संदेश देता है कि भारतीय विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी कभी झुके नहीं, कभी थके नहीं और गौरवशाली इतिहास को अजेय बनाए रखा। इस प्रतियोगिता ने समाज के विभिन्न पहलुओं को मंच पर जीवंत किया और दर्शकों को गंभीर संदेश देने में कामयाब रहा। दिन भर चले नाट्य मंचन कार्यक्रम में आयोजन सचिव, श्री राहुल कुमार (भा०प्र० से०), श्री विजय प्रकाश मीणा (भा०प्र० से०), श्री अभिषेक रंजन (भा०प्र०से०), श्री विनोद दूहन (भा०प्र०से०), श्रीमती साहिला (भा०प्र० से०), श्रीमती प्रतिभा रानी (भा०प्र०से०), श्री निखिल धनराजर निप्पनीकर (भा०प्र०से०), श्री शेखर आनन्द (भा०प्र०से०), श्री आशुतोष द्विवेदी (भा०प्र० से०) एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति की उपस्थिति बनी रही। कार्यक्रम में हरियाणा की तरफ नाटक बलात्कार का मंचन किया गया। यह नाटक महिलाओं के प्रति समाज के दोहरे रवैये को उजागर करता है। जहां एक पिता समान व्यक्ति ही लड़की की अस्मिता पर हमला करता है। वहीं, परिस्थितियों से जूझती हुई नायिका अंततः न्याय प्राप्त करती है। अखिल भारतीय असैनिक सेवा संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रतियोगिता 2024-25 के कार्यक्रम में बिहार सचिवालय टीम द्वारा सिकंदर-पोरस की एतिहासिक कहानी पर नाट्य मंचन किया गया। इस प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तारीफ बटोरी। बिहार के अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित पोरस और सिकंदर नाटक भारत की अजेय शक्ति और स्वाभिमान को दशार्ता है, यह संदेश देता है कि भारतीय विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी कभी झुके नहीं, कभी थके नहीं और गौरवशाली इतिहास को अजेय बनाए रखा। इस प्रतियोगिता ने समाज के विभिन्न पहलुओं को मंच पर जीवंत किया और दर्शकों को गंभीर संदेश देने में कामयाब रहा। दिन भर चले नाट्य मंचन कार्यक्रम में आयोजन सचिव, श्री राहुल कुमार (भा०प्र० से०), श्री विजय प्रकाश मीणा (भा०प्र० से०), श्री अभिषेक रंजन (भा०प्र०से०), श्री विनोद दूहन (भा०प्र०से०), श्रीमती साहिला (भा०प्र० से०), श्रीमती प्रतिभा रानी (भा०प्र०से०), श्री निखिल धनराजर निप्पनीकर (भा०प्र०से०), श्री शेखर आनन्द (भा०प्र०से०), श्री आशुतोष द्विवेदी (भा०प्र० से०) एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति की उपस्थिति बनी रही।

'श्रद्धा और विश्वास' ही माता पार्वती और भगवान शिव हैं : माँ विजया

राजगीर। भगवान शिव 'विश्वास' के स्वरूप हैं। माता पार्वती 'श्रद्धा-रूपिणी' हैं। अर्थात दोनों श्रद्धा और विश्वास हैं। वस्तुतः श्रद्धा और विश्वास ही शिव-पार्वती हैं। ईश्वर और सदगुरु के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखने वाले व्यक्ति और साधक को ही परमात्मा की शक्ति और कृपा प्राप्त होती है। इसके विना न तो भक्ति ही प्राप्त हो सकती है न शक्ति और कृपा ही ।

यह बातें बुधवार को स्थानीय 'अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर' में आध्यात्मिक संस्था अंतर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि- महोत्सव में अपना आशीर्वचन देती हुई संस्था की अध्यक्ष और ब्रह्मनिष्ठ सदगुरुमाता माँ विजया जी ने कही। माताजी ने कहा कि श्रद्धा और विश्वास का संबंध मन से है। मन बहुत शक्तिशाली किंतु चंचल है। यही सभी समस्याओं का कारण भी है और इसी में निदान भी है। मन को साधने से शक्ति आती है और श्रद्धा और विश्वास भी। जैसे-जैसे विश्वास दृढ़ होता है, वैसे-वैसे मन भी सधने लगता है। इस्सयोग में मन को साधने की विधि और शक्ति है।

माता जी ने कहा कि मनुष्य चैतन्य प्राणी है। चेतना सदैव साक्षी भाव में रहता है। जो साधक मन को साध लेता है, वह आध्यात्मिक शक्तियों से पूर्ण होने लगता है। इसके लिए प्रति दिन सूक्ष्म-आंतरिक साधना का अभ्यास आवश्यक है। श्रद्धा और विश्वास के साथ साधना के नियमित अभ्यास से मन के समस्त मल दूर होते जाते हैं और आत्मा प्रकाशित होने लगती है। यह जानकारी देते हुए संस्था के संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ ने बताया कि इस अवसर पर विश्व के विभिन्न स्थानों से आए दो दर्जन इस्सयोगियों ने अपने उद्गार भी व्यक्त किए, जिनमे लंदन से आयीं चिकित्सक डा द्राशनिका पटेल सोलंकी, सिंगापुर से आयीं डा गिरिजा शंकर, थाईलैंड से आए अजय पाण्डेय, सरोज गुटगुटिया, माया साहू, प्रणव, आर के श्रीवास्तव, कुमार पीयूष, कविता शंकर, अरविंद कुमार, राज करण,

संतोष कुमार, अधिवक्ता वीरेंद्र राय, चंदन कुमार, कविता शंकर, सीमा कुमारी, लालती देवी, कामिनी कौशल, पिंकी कुमारी, माला कुमारी, अनिल कुमार, गोपी साह, के नाम सम्मिल्लित हैं। इन इस्सयोगियों ने अपनी अनुभूतियों के आधार पर बताया कि किस प्रकार इस्सयोग से जुड़ने के पश्चात उनके जीवन में चमत्कारी परिवर्तन हुए और अविश्वसनीय से लगने वाले अलौकिक कार्यों की सिद्धि हुई। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव कुमार सहाय वर्मा और संयुक्त सचिव (मुख्यालय) ई उमेश कुमार ने किया।

कार्यक्रम का आरंभ पूर्वाहन साढ़े दस बजे माताजी के निदेशानुसार, संस्था के सचिव कुमार सहाय वर्मा तथा संयुक्त सचिव डा अनिल सुलभ ने संयुक्त रूप से दीप-प्रज्वलन कर किया। संयुक्त सचिव छोटे भैया संदीप गुप्ता ने भगवान शिव और सदगुरु-गुरुमाँ के चित्रों पर माल्यार्पण किया। माताजी ने विविध मंत्रों और रुद्राष्टकम के साथ सामूहिक शिव-स्तुति कर महोत्सव को पूर्णता प्रदान की। इसके पश्चात एक घंटे का अखंड भजन-संकीर्तन संपन्न हुआ। महाप्रसाद के पश्चात इस्सयोग की 'शक्तिपात-दीक्षा' आयोजित हुई, जिसमें सदगुरुमाँ ने आठ सौ से अधिक नव-जिज्ञासुओं को इस्सयोग की सूक्ष्म साधना आरंभ करने के लिए आवश्यक दीक्षा प्रदान की। माताजी ने नियमित साधना करने वाले योग्य इस्सयोगी-साधक-साधिकाओं को, दिव्य-ऊर्जा से रोगों के उपचार करने की शक्ति प्रदान करने हेतु 'दिव्य-उपचार की दीक्षा' भी प्रदान की।

बरनार जलाशय योजना की स्वीकृति मिलना जनता की जीतःअरुण भारती

पटना, (संवाददाता)। लोजपा रा जमुई सांसद अरुण भारती ने अपने एक्स पे पोस्ट कर लिखा कि बरनार जलाशय योजना की स्वीकृति मिलना जमुई की महान जनता की जीत है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को धन्यवाद जिनके सहयोग से प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा के तहत मेरे लोकसभा क्षेत्र जमुई में बरनार जलाशय योजना के लिए 2580 करोड़ की स्वीकृति मिली है। यह योजना मेरे, बतौर सांसद जनता से किए गए वादों की पूर्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सिंचाई, जल आपूर्ति और क्षेत्र के समग्र विकास में बड़ा बदलाव आएगा। मै तहे दिल से केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जिनके अथक प्रयासों एवं समर्थन से यह सपना साकार हो सका। मै जमुई की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि आपके भरोसे पर हम खरा उतरूंगा और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहूंगा।

डीपीएस पटना ईस्ट में आयोजित हुआ इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता

पटना। डीपीएस पटना ईस्ट दौलतपुर स्कूल में बुधवार यानी 26 फरवरी को इंटर आउस क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया गया जिसमें चिनाब हाउस और कृष्णा हाउस ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया।

पहले मैच में चिनाब हाउस ने कावेरी हाउस को 21 रन जबकि दूसरे मैच में कृष्णा हाउस ने गंगा हाउस को चार विकेट से हराया। गुरुवार यानी 27 फरवरी फाइनल और तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेला जायेगा।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन स्कूल के प्राचार्य डॉ राकेश अल्फ्रेड ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएचए मोहम्मद असफाक इकबाल, सूबाजीत सरकार, क्रिकेट कोच व पीएचई शिक्षक रुपक कुमार, पीएचई शिक्षक नीरज कुमार, आदित्य कुमार और अमन कुमार मौजूद थे।

धन्यवाद ज्ञापन मीनू दूबे ने किया जबकि सबों का स्वागत जानवी मैम ने किया।

संक्षिप्त स्कोरपहला मैचचिनाब हाउस : 16 ओवर में 5 विकेट पर 104 रन, आयुष कुमार 36, अर्थव मिश्रा 22, आयुष साह 20,आदिल 2/16, उज्ज्वल 2/19, शाश्वत 1/25कावेरी हाउस : 14.2 ओवर में 62 रन पर ऑल आउट राजवीर सिंह 10, आदर्श कुमार 15,शाश्वत 18, प्रीतम 3/9,आयुष कुमार 3/12, आयुष साह 3/17दूसरा मैच

गंगा हाउस : 12.2 ओवर में 42 रन पर ऑल आउट कबीर 12,अमृत 16, मेहरान 10,सैफ आलम 4/14, तेजस 3/12, साईन भूषण 2/11कृष्णा हाउस : 10.1 ओवर में 6 विकेट पर 45 रन, पीयूष प्रत्यूष नाबाद 16, रिशु कुमार नाबाद 11, साईन 10,शौर्य रस्तोगी 3/21, मेहरान 2/9, अंकित 1/7पहले मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार आयुष कुमार जबकि दूसरे मैच में सैफ आलम को दिया गया।

जनता सहयोग करेगी तो अबकी बार हमारी सरकार बननी तय हैः उपेंद्र सहनी

पटना, (संवाददाता)। राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र सहनी एवं बिहार प्रदेश अध्यक्ष सोनू कुमार सिंह जी ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बिहार मंत्रिमंडल का आज विस्तार किया गया है। उस मंत्रिमंडल में नए मंत्री बनाए जाने पर सभी मंत्रीगण को हार्दिक-हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को श्री सहनी ने कहा है कि इसी साल विधानसभा 2025 में चुनाव होनी है। इसी चुनाव को देखते हुई वोट बैंक के खातिर आज मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है लेकिन बिहार की जनता इस मंत्रालय विस्तार को भली-भांति जान रही है। इसलिए आने वाले विधानसभा में डबल इंजन की सरकार की पंचर करने का काम बिहार की जनता जरूर करेगी। हमारी पार्टी बिहार में तीसरा विकल्प के रूप में फूलगोभी छाप लेकर 243 विधानसभा सीट पर अपना प्रत्याशी उतारने का काम करेगी। जनता सहयोग करेगी तो अबकी बार हमारी सरकार बननी तय है। हमारी सरकार अगर बनती है तो बिहार में चौमुखी विकास करेंगे।

राज्य की बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों की जमीन पर विकसित होंगे नए उद्योग

- बिहार में उद्योग प्रोत्साहन के तहत पहली बार राज्य सरकार लेकर आई एग्जिट नीति
- इस नीति के तहत बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों के लिए आवंटित जमीन बियाडा को सुपुर्द कर हासिल की जा सकती है जमा पूंजी
- हाल में निदेशक पर्षद की 93वीं बैठक में लिया गया यह महत्वपूर्ण निर्णय

पटना। राज्य में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार नई एक्जिट नीति लेकर आई है। इसके तहत उद्यमी बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों की जमीन वापस बियाडा को सुपुर्द कर पहले से जमा अपनी लीज राशि वापस ले सकते हैं। 11 फरवरी को हुई बियाडा (बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार) के निदेशक पर्षद की 93वीं बैठक में इससे संबंधित निर्णय लिया गया और एक्जिट नीतिझ2025 को लागू करने को लेकर स्वीकृति प्रदान की गई। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में बंद पड़ी इकाइयों की भूमि का उपयोग करना है। उद्यमी बियाडा की तरफ से आवंटित भूमि को वापस कर सकते हैं। इस जमीन का आवंटन नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए किया जाएगा। इस नीति के तहत आवेदन की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 है।इस नीति के तहत पात्र इकाई : ऐसी सभी इकाइयां जिनका वर्तमान में आवंटन वैध है

झ ऐसी इकाइयां जिन्होंने आवंटन रद्दीकरण के विरुद्ध अपीलीय प्राधिकार, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर कर रखी है। ये लोग अपनी वाद याचिका वापस लेकर नियमानुसार इस नीति का लाभ उठा सकते हैं

ऐसी सभी इकाइयां जिनका आवंटन रद्द हो चुका है लेकिन दखल कब्जा बियाडा ने अभी तक नहीं लिया है।

इन सभी मामलों में आवंटन या लीज की अवधि आवेदन की तिथि को वैध होना आवश्यक है।

इन पर लागू नहीं होगी यह नीति :जिनके आवंटन या लीज की अवधि समाप्त हो चुकी है।

यदि तृतीय पक्ष को भूमि आवंटित हो चुकी है।

ऐसे होगा नीति का कार्यान्वयन : जिस उद्यमी की तरफ से भूमि वापस की जा रही है, उसे उस भूखंड की वर्तमान बियाडा दर (भूवापसी के आवेदन की तिथि को) के आधार पर उनके स्तर से उपयोग की गई लीज या आवंटन अवधि की आनुपातिक कटौती कर शेष राशि निम्नांकित तरीके से वापस की जाएगी 1. 1 से 3 वर्ष की अवधि तक अकार्यरत उद्योगों की जमीन (नव आवंटित इकाई के अतिरिक्त) के मामले में 10 फीसदी राशि लौटेगी।

2. 3 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष से कम की अवधि तक अकार्यरत उद्योगों की जमीन की स्थिति में 15 फीसदी राशि लौटेगी। 3. 5 वर्ष से अधिक की अवधि तक अकार्यरत उद्योगों की जमीन की स्थिति में 20 फीसदी राशि लौटेगी। सभी राशि पर 18 फीसदी जीएसटी देय होगा। इसके अतिरिक्त किसी भी बिजली संस्थान या बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार के किसी अन्य विभाग या बियाडा का बकाया होने की स्थिति में उसकी कटौती करने के बाद ही शेष राशि का भुगतान उद्यमी को किया जाएगा। अकार्यरत होने की तिथि का निर्धारण संबंधित उपझमहाप्रबंधक या क्षेत्रीय प्रबंधक या सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के निरीक्षण प्रतिवेदन या रिपोर्ट के आधार पर ही किया जाएगा।

इकाइयों को देने होंगे ये दस्तावेज : इकाई के निबंधित लीज डीड एवं आवंटन पत्र की मूल प्रति वित्तीय संस्थान या बैंक का अनापत्ति या बकाया रहित प्रमाण पत्र। अगर कोई ऋण नहीं लिया है, तो इसका शपथ पत्र बिजली कंपनी से बकाया रहित प्रमाण पत्र या अपडेट विद्युत बिल यह प्रमाण पत्र भी देना होगा कि इस इकाई पर कोई वित्तीय संस्थान या बैंक या बिजली कंपनी या कोई सरकारी विभाग का कोई बकाया नहीं है3 महीने की मिलेगी मोहलत :

इस नीति के तहत आवेदन स्वीकृत होने के बाद स्वीकृति की तिथि से संबंधित औद्योगिक इकाई को तीन महीने मोहलत दी जाएगी।

नव शक्ति समाचार पत्र मैं प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अत: कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकर और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा। प्रधान कार्यालय: कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामी: जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुर्दित। सम्पर्क नम्बर: 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI-BIHHIN/2012/43368

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन देवघर में महाशिवरात्रि महोत्सव में हुए सम्मिलित, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिव बारात को किया रवाना

रांची। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा नगरी देवघर में बाबा भोलेनाथ के चरणों पर शीश नवाकर आप सभी का अभिनंदन करता हूं । आज यहां शिव बारात में सम्मिलित होने का मुझे भी अवसर मिला है। यहां हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं, जिसमें इंसान के साथ जीव -जंतु भी शामिल है। यह शिव बारात मात्र नहीं है । ऐसे महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना यह दशार्ता है कि इससे ऊपर और कोई ताकत नहीं है और कहीं ना कहीं दुनिया इसी की बदौलत चल रही है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा नगरी देवघर के केएनएन स्टेडियम में आयोजित शिव बारात महोत्सव को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक झांकियों के साथ शिव बारात को रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए उमंग ,उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का दिन है। महाशिवरात्रि का महापर्व सदियों से मनाते आ रहे हैं और आगे भी यह अनवरत जारी रहेगी। बाबा नगरी देवघर के लिए यह महापर्व विशेष है।

यहां महाशिवरात्रि के पर्व के साथ निरंतर नया अध्याय जुड़ता जा रहा है । आप सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है। आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर की पावन धरती असीम आस्था का केंद्र है। श्रावणी मेले के दौरान देश- दुनिया से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। इतना ही नहीं सालों भर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला चलता रहता है। इस पवित्र स्थल को और बेहतर करने के लिए सरकार मंथन करेगी और इसमें आपका सहयोग काफी मायने रखेगा । आने वाले समय में आस्था के इस केंद्र को और मजबूती के साथ आगे ले जाना है।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शिव बारात महोत्सव में मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय, मंत्री श्री सुदिव्य कुमार, विधायक श्री सुरेश पासवान, विधायक श्री उदय शंकर सिंह, पूर्व मंत्री श्री बादल, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती किरण कुमारी, संताल परगना के आयुक्त श्री लालचंद दादेल, पुलिस महानिरीक्षक क्रांति कुमार गड़िदेशी, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री अंबर लकड़ा तथा जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

केंद्र पांच साल में असम में जलमार्ग विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा: सबार्नंद सोनोवाल

असम। केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले पांच साल में असम में जलमार्ग और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री यहां एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य की सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र में यह बात कही।

सोनोवाल ने कहा, मैं घोषणा करना चाहता हूं कि अगले पांच साल में मेरा मंत्रालय असम में 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा। यह राशि जहाज मरम्मत सुविधा, बंदरगाहों के लिए वैकल्पिक सड़कों के निर्माण तथा टर्मिनल के विकास जैसे विभिन्न कार्यों पर खर्च की जाएगी।

सोनोवाल ने कहा कि राज्य में समुद्री शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें पोत परिवहन उद्योग के लिए सालाना 5,000 कुशल युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आर्थिक वृद्धि में जलमार्गों के महत्व का उल्लेख किया और कहा कि 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा, भारत का लक्ष्य 2030 तक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र और शीर्ष पांच जहाज विनिर्माण देशों में से एक बनना है।

संजय सरावगी तथा जीवेश मिश्रा ने मैथिली में शपथ लेकर मिथिला का मान बढ़ाया : डॉ धर्मशीला गुप्ता

पटना। बिहार भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि आज महाशिवरात्रि के दिन अत्यंत ही खुशी का दिन है कि हमारे गृह जिला दरभंगा से दो माननीय विधायक ने बिहार सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में दरभंगा शहर के 5वीं बार विधायक बने श्री संजय सरावगी व जाले के माननीय विधायक श्री जिबेश कुमार के साथ साथ मोतीलाल प्रसाद, कृष्ण कुमार मंटू तथा विजय कुमार मंडल को मंत्री बनाया गया है यह बहुत हर्ष का विषय है। सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि माननीय विधायक श्री संजय सरावगी जी और श्री जिबेश मिश्रा जी ने विधानसभा में मैथिली भाषा में शपथ लेकर मिथिला का मान सम्मान बढ़ाने के लिए उनको समस्त मिथिलावासी के तरफ से हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

सांसद डा गुप्ता ने मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले भाजपा के इन सभी विधायकों के चयन के लिए पार्टी के शीर्ष और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया है।

भाजपा-जदयू शासन में मासूम बच्चियां तक सुरक्षित नहीं

पटना। भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने बेगूसराय जिले के बलिया थानान्तर्गत कसवा गांव में एक मासूम बच्ची के साथ घटित दुष्कर्म की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा-जदयू शासन में महिलाएं और बच्चियां पूरी तरह असुरक्षित हैं, और सरकार अपराधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि स्नेहा कुशवाहा कांड के बाद अब बेगूसराय सहित राज्य के विभिन्न जिलों से इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है।

उन्होंने यह भी कहा कि 2 मार्च को गांधी मैदान, पटना में आयोजित होने वाले महाजुटान में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा का मुद्दा सबसे प्रमुख होगा। महिलाएं और बच्चियां अपने हक और सुरक्षा के लिए इस महाजुटान में एकजुट होकर सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगी। महाजुटान में इस मुद्दे को केंद्रीय सवाल के रूप में उठाया जाएगा। इसी बीच, भाकपा-माले के बेगूसराय जिला सचिव दिवाकर प्रसाद, इंसाफ मंच जिला संयोजक एहतेशाम अहमद (अधिवक्ता) और संजय ठाकुर के तीन सदस्यीय जांच दल ने आज कसवा गांव का दौरा किया। जांच दल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और घटना के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। गांववासियों से भी बातचीत की गई और इस घटना को लेकर उनके विचार लिए गए।

जांच दल ने कहा कि भाजपा सांसद गिरीराज सिंह, जो अक्सर हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के बीच नफरत फैलाने का काम करते हैं, उन्हें कसवा गांव पहुंचकर पीड़ित अल्पसंख्यक समुदाय से मिलकर संवेदना व्यक्त करनी चाहिए थी, लेकिन दुखद बात यह है कि भाजपा और जदयू के नेताओं ने इस गंभीर घटना पर पूरी तरह चुप्पी साध ली है और आरोपितों को बचाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं।

जांच दल ने कहा कि कसवा गांव में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है और सभी समुदाय के लोग आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। भाकपा-माले ने इस मामले में पीड़ित परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का भरोसा दिया है और उनका समर्थन किया है। भाकपा-माले ने आरोपितों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल की मांग की है और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देने की आवश्यकता जताई है। साथ ही, पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। भाकपा-माले ने यह भी अपील की है कि इस जघन्य अपराध के खिलाफ दोनों समुदायों से एकजुट होकर संघर्ष तेज किया जाए ताकि ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। इस घटना के खिलाफ 27 फरवरी 2025 को बेगूसराय में नागरिक प्रतिवाद मार्च आयोजित किया जाएगा, जिसमें लोगों से इस मुद्दे पर आवाज उठाने की अपील की गई है।

बेगूसराय में बस और टैंकर की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 15 घायल

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में मंगलवार को एक बस और दूध टैंकर की टक्कर होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई तथा 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह दुर्घटना बछवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत रानी गांव में रात करीब 10 बजे हुई। बछवाड़ा पुलिस थाने के प्रभारी विवेक भारती ने पत्रकारों को बताया, रानी गांव में एक बस और दूध टैंकर के बीच आमने-सामने हुई टक्कर में तीन बारातियों की मौत हो गई तथा 15 अन्य घायल हो गए।स्थानीय लोगों के अनुसार, तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पीड़ित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए समस्तीपुर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने कहा कि घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। विवेक भारती ने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है।

सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक अस्पतालों का उपयोग करने का आदेश खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2018 के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश के सरकारी अधिकारियों को केवल सरकारी अस्पतालों में ही इलाज कराने की बात कही गई थी।

उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार के व्यापक प्रयास के तहत उपरोक्त निर्देश सहित कई निर्देश जारी किए थे।

बासुकीनाथधाम में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि का पावन पर्व

दुमका/ प्रियव्रत झा। महाशिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर अहले सुबह मंदिर का पट खुलते ही बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। शिव भक्त श्रद्धालु कतारबद्ध होकर जलार्पण के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। संपूर्ण मंदिर परिसर खचाखच श्रद्धालुओं से अटा पड़ा था। बोल बम और हर हर महादेव के नारे की गूंज सर्वत्र सुनाई दे रही थी। भक्तों के मुख से निकले जयकारे से श्रद्धालुओं की उत्साह देखते ही बनती थी । दिनभर भक्ति की सरिता में आस्था की डुबकी लगाने का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालु अपने अभीष्ट इच्छा की पूर्ति के लिए पंडा पुरोहितों संग धार्मिक अनुष्ठान करते देखे गये । साथ ही दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मंदिर कार्यालय के समीप शीघ्र दर्शनम कूपन श्रद्धालुओं को बेचे जा रहे थे। वहीं महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए आकर्षक तरीके से मंदिर को दुल्हन की भांति सजाया गया था। रंग बिरंगी रोशनियों से पूरा मंदिर परिसर नहाया हुआ था। देवनगरी की पवित्रता बनाए रखने के लिए स्वच्छता पर विशेष नजर रखी गई थी। उधर मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक जलार्पण कराने के लिए भारी संख्या में पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात नजर आए। चोर उचक्कों व असामाजिक तत्वों पर सीसीटीवी कैमरा की मदद से नजर रखी जा रही थी। इस दरमियान किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए डॉक्टर एवं एंबुलेंस के साथ फायर ब्रिगेड को मुस्तैद रखा गया था।

तीर्थ नगरी की विधि व्यवस्था बहाल रखने के लिए जगह-जगह पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी। शाम को गाजे बाजे के बीच शिव बारात की आकर्षक झांकी निकाली गई। जिसमें अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे। इस प्रकार उपायुक्त के नेतृत्व में जिला प्रशासन महाशिवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने की कवायद में जुटी रही।

आंध्र प्रदेश के गोदावरी नदी में डूबने से पांच की मौत

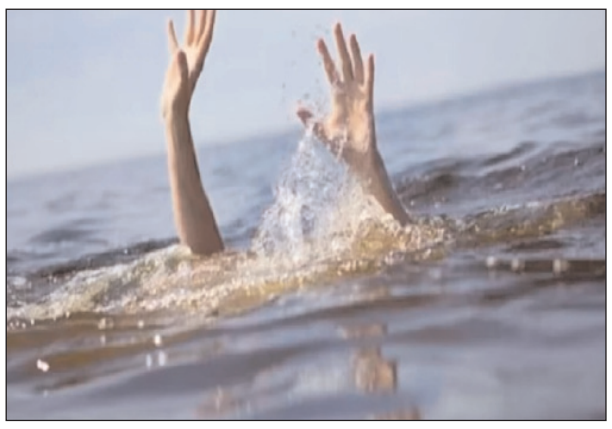

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बुधवार की सुबह नहाने गए 12 लोगों के एक समूह में से पांच लोग गोदावरी नदी में डूब गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे ताड़ीपुड़ी गांव के तल्लापुडी मंडल में हुआ।

अधिकारी ने बताया, गोदावरी नदी में नहाने गए 12 लोगों में से पांच डूब गए जबकि सात किसी तरह बचने में सफल रहे। समूह के लोग स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर्व पर पास के एक मंदिर जाने वाले थे। मृतकों और जीवित बचे लोगों में अधिकतर की उम्र 20 वर्ष से कम बताई जा रही है। पुलिस, दमकल सेवा और स्थानीय लोग डूबे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं।

दोषी सांसदों पर आजीवन प्रतिबंध लगाना सही नहीं, केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर उस जनहित याचिका का विरोध किया है, जिसमें दोषी ठहराए गए राजनेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। सरकार ने कहा कि अयोग्यता की अवधि विधायी नीति के दायरे में आती है। यह दावा 2016 में वकील अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में प्रस्तुत एक हलफनामे में किया गया था, जिसमें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी।

हलफनामे में कहा गया है, यह सवाल कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसमें कहा गया है कि दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। हलफनामे में कहा गया है, यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर दोषी करार दिये गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के अलावा देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के त्वरित निस्तारण का अनुरोध किया है। अपने हलफनामे में, केंद्र ने रेखांकित किया कि शीर्ष अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। हलफनामे में कहा गया है कि उक्त धाराओं के तहत घोषित की जाने वाली अयोग्यताएं संसदीय नीति का विषय हैं और आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त नहीं होगा। केंद्र ने कहा कि न्यायिक समीक्षा के मामले में, न्यायालय प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, हालांकि, याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत में अधिनियम की धारा 8 की सभी उप-धाराओं में छह वर्ष के प्रावधान को आजीवन निश्चित रूप से संसद के अधिकार क्षेत्र में है। केंद्र ने कहा कि याचिका अयोग्यता के आधार और अयोग्यता के प्रभावों के बीच महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट करने में विफल रही है। हलफनामे में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 का उल्लेख करना पूरी तरह से गलत है। संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 संसद, विधानसभा या विधानपरिषद की सदस्यता के लिए अयोग्यता से संबंधित हैं। केंद्र ने कहा कि अनुच्छेद 102 और 191 के खंड (ई) संसद को अयोग्यता से संबंधित कानून बनाने की शक्ति प्रदान करते हैं और इसी शक्ति का प्रयोग करते हुए 1951 का (जन प्रतिनिधित्व) अधिनियम बनाया गया था। इसने कहा कि संविधान ने संसद को अयोग्यता से संबंधित ऐसे अन्य कानून बनाने का अधिकार दिया है, जिसे बनाना वह उचित समझता हो। केंद्र ने कहा, ह्यह्यसंसद के पास अयोग्यता के आधार और अयोग्यता की अवधि, दोनों निर्धारित करने की शक्ति है।ह्लह्ल न्यायालय ने 10 फरवरी को, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था।

रक्षा राज्य मंत्री ने रांची की जनता को दी एक और सौगात

- राज्यपाल संतोष गंगवार ने नमो ई-लाइब्रेरी का किया लोकार्पण
- शोधार्थियों और युवाओं के लिए बहुउपयोगी होगी यह लाइब्रेरी : संजय सेठ
- दुनिया की सभी पुस्तकों का ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा
- साइबर से जुड़ी कई तकनीकी जानकारियों से नि:शुल्क लैस होंगे हमारे युवा
- विकसित भारत के निर्माण में तकनीकी सहायता को तैयार करना है इसका उद्देश्य

रांची। रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ की की पहल पर आरंभ होने वाले नमो ई लाइब्रेरी सह साइबर कम्युनिटी सेंटर का लोकार्पण आज झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष गंगवार ने किया। पीएम श्री नरेंद्र मोदी के रिसर्च और इनोवेशन के मंत्र का प्रमुख माध्यम यह केंद्र बनेगा, जहां शोध से जुड़े लोग लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद श्री संजय सेठ के द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि संजय सेठ जी के द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भी किया जा रहे पहल सराहनीय है। यह केंद्र युवाओं शोधार्थियों के लिए बहुत सहयोगी साबित होगा। समाज के अधिक से अधिक युवा, शोधार्थी और महिलाएं इस केंद्र का लाभ उठाएंगे। वहीं रक्षा राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूर्ण करने में टेक्नोलॉजी का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसी सोच के तहत यह सेंटर काम करेगा। राजनीति समाज सेवा का बड़ा माध्यम है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी इस मामले में सदैव मार्गदर्शन देते हैं। उन्हीं की प्रेरणा से पहले बुक बैंक, फिर टॉय बैंक और अब नमो ई लाइब्रेरी का शुभारंभ कर रांची की जनता को समर्पित कर रहा हूं। विकसित भारत में तकनीकी रूप से हमारे युवा, हमारी महिलाएं सशक्त योगदान दे सकें; इस उद्देश्य से भी नमो ई-लाइब्रेरी स्थापित की गई है। साइबर पीस फाउंडेशन ने इसकी स्थापना और संचालन के लिए सकारात्मक योगदान दिया है। तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ साइबर शिक्षा के क्षेत्र में भी लोग स्किल्ड हों, रोजगार के अवसर सृजित हों, इस उद्देश्य से भी इस लाइब्रेरी का योगदान महत्वपूर्ण होगा। झारखंड में पहली बार शुरू हुई यह लाइब्रेरी हर वर्ग को समर्पित रहेगी। रांची में रह रहे झारखंड और देशभर के विद्यार्थी और युवा इससे लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर रांची के विधायक श्री सीपी सिंह, हटिया के विधायक श्री नवीन जायसवाल, साइबर पीस फाउंडेशन के प्रमुख मेजर विनीत, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री अजय मारू, भाजपा रांची जिला अध्यक्ष श्री वरुण साहू, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री धीरज महतो सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। यहां पर पुस्तक, ऑडियो बुक, रिसर्च पेपर, एजुकेशनल पत्रिकाएं और जर्नल उपलब्ध होंगी। दुनिया की सभी पुस्तकों को ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा।

इस लाइब्रेरी में साइबर स्किल और साइबर सुरक्षा से जुड़े कई कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिसमें इंडिया अकमिशन, नेशनल क्वांटम मिशन, ड्रोन दीदी जैसे कार्यक्रम शामिल रहेंगे। इसके साथ ही महीने में एक बार परिचर्चा सत्र आयोजित किया जाएगा; जहां विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण और जानकारी दी जाएगी।